

卷之三

• त्रिवेदी एवं वेदान्त के अनुसार यह शब्द अपेक्षा अधिक विविध अर्थों में उपयोग किया जाता है। इसका अधिकतम अर्थ यह है कि वह व्यक्ति जिसके द्वारा वेदान्त का अध्ययन किया जाता है वह वेदान्ती या वेदान्तीक होता है। इसका अन्य अर्थ यह है कि वह व्यक्ति जिसके द्वारा वेदान्त का अध्ययन किया जाता है वह वेदान्तीक होता है।

ବ୍ୟାକ ଏବଂ ପରିଚୟ
କଥା କଥା କଥା କଥା

« କାହାର ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା ? »

